सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 पर प्रसारित कार्यक्रमों की सामग्री का अंतर्वस्तु विश्लेषण

*विनय कुमार**
*डॉ. रुचिता सुजय चौधरी***

शोध सार

एक माध्यम के रूप में रेडियो न केवल सूचना के प्रसार में बल्कि संस्कृति और राष्ट्र–निर्माण के प्रचार–प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो दूरदराज और वंचित क्षेत्रों को कम लागत में सूचनाएं प्रदान करता है. संचार के लिए रेडियो एक आवश्यक और उपयोगी उपकरण है. सामुदायिक रेडियो का उद्देश्य सार्वजनिक समूह को अपनी प्रोग्रामिंग के माध्यम से मदद करना और लाभान्वित करना है. समुदाय संबंधी प्रमुख मुद्दों पर सामुदायिक रेडियो प्रमुख भूमिका निभा रहा है, जो क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करता है. वर्तमान में भारत में 400 से अधिक सामुदायिक रेडियो (सीआर) स्टेशन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों में श्रोताओं के लिए/उनके द्वारा चलाए जा रहे हैं. सामुदायिक रेडियो संचार के लिए एक सहभागी उपकरण है जो जागरूकता पैदा करने, सूचना और शिक्षा प्रदान करने, कौशल में सुधार या सशक्तिकरण के लिए एक मंच प्रदान करता है. इस शोध का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 की सामग्री विश्लेषण करना है और इसका विश्लेषण किया जाएगा कि यह कैसे श्रोताओं की आवाज़ बनता है.

मुख्य शब्दः *सामुदायिक रेडियो, प्रसारण, सीआरएस, कार्यक्रम, सजीव*

प्रस्तावना

सामुदायिक रेडियो, 'समुदाय' शब्द आम जनता के परिचित पात्रों और खुशियों को साझा करने के बारे में बात करता है. समुदाय भौगोलिक–आधारित व्यक्तियों के समूह के रूप में या सामाजिक या पारस्परिक या विशिष्ट हितों वाले लोगों के रूप में कार्य करता है. हालाँकि, किसी विशेष समुह में पारस्परिक हित काफी लचीला होता है और यह सामाजिक, धर्मनिरपेक्ष, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भी हो सकता है. सामुदायिक रेडियो का अर्थ सार्वजनिक सेवा प्रसारण है, जो विकासात्मक कार्यक्रमों पर आधारित है. इनके प्रसारण में समुदाय के लोगों को जोड़कर, समुदाय की सेवा करने का कार्य होता है.

सरल शब्दों में, विकास एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है जो प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन लाती है इसके साथ ही भौतिक, आर्थिक, पर्यावरणीय, सामाजिक और जनसांख्यिकीय घटकों को जोड़ती है. इन घटकों की पहचान राष्ट्र में राजनीतिक और सामाजिक–आर्थिक परिवेश से संबंधित सामग्री के माध्यम से विकास को आगे बढ़ाने के प्रयास को सक्षम बनाती है.

एक सिक्के के दो पहलू होते हैं; आमतौर पर, मीडिया एक अच्छा लाभ कमाने के लिए संस्कृति और मनोरंजन पर ध्यान केंद्रित करता है, लेकिन सामुदायिक रेडियो का मुख्य उद्देश्य लाभ की अनदेखी करते हुए विभिन्न शैक्षिक, जागरूकता और प्रेरक कार्यक्रमों

***शोधार्थी, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ख्वाज़ा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ**
****सहायक प्राचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ख्वाज़ा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ**

के साथ समाज को विकसित करना है. लखनऊ में सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 अपनी सामग्री के माध्यम से कई विकासात्मक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है.

सीएमएस सामुदायिक रेडियो स्टेशन की रूपरेखा

सीएमएस सीआरएस 90.4 ने लखनऊ के गोमती नगर में सिटी मोंटेसरी स्कूल (सीएमएस) परिसर में 1 जुलाई 2005 को परिचालन शुरू किया था. तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन और विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने सीएमएस रेडियो स्टेशन का उद्घाटन किया और कानपुर रोड शाखा के सीएमएस कॉलेज में एक अन्य सीएमएस सामुदायिक रेडियो स्टेशन का उद्घाटन, तत्कालीन केंद्रीय सूचना और सूचना मंत्री श्री जयपाल रेड्डी के अलावा किसी और ने नहीं किया. सुबह 7:00 से रात 11:00 बजे तक, सीएमएस सीआरएस 90.4 पूरे 16 घंटों तक प्रतिदिन कार्यक्रमों का प्रसारण करता है. कार्यक्रम सामग्री पर सहयोग करने में सीएमएस सामुदायिक रेडियो कई सरकारी और गैर–सरकारी संगठनों के साथ जुड़ा हुआ है.

इसके अलावा यह शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, भाषा, पर्यावरण और स्थानीय मामलों जैसे क्षेत्रों में कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में योगदान देता है. यह स्टेशन लोक धुनों, क्षेत्रीय संगीत और रेडियो श्रोताओं के लिए अन्य गतिविधियों को जानकारी और मनोरंजन के मिश्रण से समृद्ध करता है. समुदाय के श्रोतागण प्रोग्रामिंग की योजना बनाने में मदद करते हैं और यहां तक कि विभिन्न शो के लिए रेडियो जॉकी के रूप में भी काम करते हैं.

साहित्य समीक्षा

बानदेली, डेनिएला (2012) ने दो सामुदायिक रेडियो– उड़ीसा के रेडियो नमस्कार एवं मध्यप्रदेश के रेडियो धड़कन में महिलाओं की सहभागिता का अध्ययन किया. इनके अनुसार अधिकतर सामुदायिक रेडियो स्टेशन सामुदायिक संगठनों द्वारा चलाए जा रहे हैं, जिनमें आमतौर पर स्थानीय भाषा में विशेष जानकारी एवं आवश्यकतानुसार कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं. सामुदायिक रेडियो स्टेशन में महिलाओं की भागीदारी की असीम सम्भावनायें हैं लेकिन महिलाएँ घरेलू जिम्मेदारियों के चलते अभी तक उतनी सहभगिता नहीं ले पा रहीं हैं जितनी कि अपेक्षित है. महिलाओं का घरेलू जिम्मेदारियों से बंधा होना महिला सशक्तीकरण में रूकावट है. इसलिए आवश्यक सामाजिक परिवर्तन के लिए सामुदायिक रेडियो स्टेशन से प्रेरणादायी एवं जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों को प्रसारित किया जाना ज़रूरी है. हालांकि कुछ सीमा तक तो महिलाओं की उन्नति दिखाई दे रही है लेकिन पूरी तरह नहीं. सामुदायिक रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी के प्रति जनता के गलत दृष्टिकोण में भी परिवर्तन लाने का प्रयास करने की आवश्यकता है.

पवारला, विनोद एवं मलिक, कंचन (2020) द्वारा लिखित यह पुस्तक लगभग दो दशक पूर्व दक्षिण एशिया के विभिन्न हिस्सों में शुरू हुए एक महत्वपूर्ण स्वतंत्र मीडिया आंदोलन के संबंध में सामुदायिक रेडियो की स्थिति की पड़ताल करती है. यह खंड तेजी से बढ़ते वैश्विक मीडिया वातावरण में सामुदायिक रेडियो के विकास और कार्यप्रणाली को समझने के लिए सामाजिक आर्थिक और ऐतिहासिक संदर्भों की रूपरेखा तैयार करता है. दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों ने रेडियो के माध्यम से प्रसारण के इस तीसरे क्षेत्र (सार्वजनिक और निजी के अलावा) के उद्भव को और भी सशक्त बनाया गया है. पुस्तक में उल्लिखित संदर्भ इस क्षेत्र में मीडिया पारिस्थितिकी को अधिक बहुलवादी और विविध

प्रदान करता है. इस पुस्तक में लेखकद्वय सामुदायिक रेडियो से संबंधित प्रमुख मुद्दों की एक श्रृंखला पर चर्चा करते हैं. रेडियो की नीतियों, सामुदायिक रेडियो का गैर सरकारी संगठन, स्पेक्ट्रम प्रबंधन और प्रौद्योगिकी का लोकतंत्रीकरण, आपदाएं/आपात स्थिति, लिंग मुद्दे, स्थिरता और संघर्ष जैसे विषयों पर पुस्तक में विस्तृत सामग्री प्रदान की गयी है.

प्रधान, प्रतिभा (2011) ने प्रसारण चुनौतियां एवं संभावनाओं के एक वैकल्पिक बिन्दु के रूप में भारत में सामुदायिक रेडियो पर शोधपत्र प्रकाशित किया. इस शोध पत्र के अनुसार सामुदायिक रेडियो प्रसारण से सदस्यों में जागरूकता फैलती है, जिससे भारत में गरीबी उन्मूलन, सकारात्मक कार्यों की पड़ताल, विकास के उद्देश्यों में समग्रता, स्थानीय समुदायों में लोकतंत्र के निर्माण में शक्तिशाली सहयोग मिल रहा है. शोधपत्र के अनुसार सामुदायिक रेडियो समाज के विकास को मौन की आवाज देने, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन, लोगों की उम्मीदों को पूरा करने, सशक्तिकरण और सकारात्मक विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक श्रेष्ठ उपकरण के रूप में उभर रहा है. सामुदायिक सदस्यों की सहभागिता सामुदायिक रेडियो की सफलता है, ताकि समाज की आवश्यकतानुरूप और इच्छानुरूप कार्यक्रम प्रसारित करने में सुलभता रहे.

नंदा, वर्तिका (2017) यह एक संपादित पुस्तक है. इस पुस्तक में 'भारत में रेडियो पत्रकारिता' के संदर्भ में विभिन्न विद्वानों के शोध पत्रों का संकलन एवं संपादन किया गया है. भारत में रेडियों इतिहास, विकास एवं समस्याओं से संबंधित विभिन्न घटकों एवं आयामों को भी विश्लेषित किया गया है यह पुस्तक भारत में रेडियो पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर गहन विमर्श प्रस्तुत करती है. रेडियो की समझ व भारत में रेडियो की भूमिका के लिए पुस्तक उपयुक्त है.

अध्ययन के उद्देश्य

- सीएमएस सामुदायिक रेडियो (90.4) पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों का अध्ययन करना.
- सीएमएस सामुदायिक रेडियो (90.4) पर प्रसारित कार्यक्रमों की सामग्री का अंतर्वस्तु विश्लेषण करना.
- महिलायों की सहभागिता व लिंग सम्बंधित कार्यक्रमों का अवलोकन करना.

अनुसंधान क्रियाविधि

इस अध्ययन में, शोधकर्ता ने अध्ययन के लिए गुणात्मक पद्धति को अपनाया है, जिसमें शोध संरचना एक केस स्टडी होगी. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुल 3 सामुदायिक रेडियो स्टेशन संचालित हो रहे हैं. इनमे से शोधकर्ता ने केवल एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन की समग्र प्रोग्रामिंग का सामग्री विश्लेषण किया है. अतः शोधकर्ता ने सुविधा नमूनाकरण विधि द्वारा लखनऊ के सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 का चयन किया. चयनित रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों को विश्लेषण कई सामान्य या असामान्य स्थानीय समस्याओं के आधार पर केस स्टडी के रूप में किया जाता है.

तथ्य विश्लेषण और व्याख्या

तालिका 1 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में प्रसारित कार्यक्रमों आवृति के आधार पर विविरण.

तालिका 1

कार्यक्रम	प्रारूप	प्रसारण
अर्चना	भक्ति संगीत	प्रतिदिन
बात पते की	सजीव कार्यक्रम	प्रतिदिन
नन्हों की दुनिया	रिकार्डेड कार्यक्रम	प्रतिदिन
कम्युनिटी गतिविधियां	रिकार्डेड कार्यक्रम	प्रतिदिन
ध्वनि शाला	एनसीईआरटी कार्यक्रम	प्रतिदिन
मेरी आवाज़ मेरी पहचान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
हमारी रसोई	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
वाह रे लखनऊ	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
सेहत की बात डॉक्टर के साथ	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
गीतों की झंकार	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
बेटी बचाओ बेटी पढाओ	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
मसला हम सबका	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
संजीवनी	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
मन की बात दृ आपके साथ	परिचर्चा	सप्ताह में एक बार
ज्ञान तरंग दृ ज्ञान का हर रंग	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
बेजुबान महरबान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
आस्था स्थली	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
संवारे धरा निखरे पर्यावरण	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
वीरगाथा	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
योग और हम	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
ज्ञान दर्पण	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
कम्युनिटी बातचीत	परिचर्चा	सप्ताह में एक बार
एक अनोखी उड़ान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
अनमोल रतन	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार

किसान मंच	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
माटी के गीत	लोक गीत	सप्ताह में एक बार
ज़माना बदल गया है	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
करियर मित्र	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
युवा मंच	परिचर्चा	सप्ताह में एक बार
ढलती शाम को सलाम	नाटक	सप्ताह में एक बार
तेरी मुस्कान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
हमारे व्रत–त्यौहार	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
कम्युनिटी संगीत	गीतों पर आधारित	सप्ताह में एक बार
कानून की बात	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
अनमोल खज़ाना	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
चलती राहें सुरक्षित सफ़र	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
स्वस्थ तनमन कुशहाल जीवन	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार

सीएमएस सीआरएस में प्रतिदिन एक चार घंटो के कैप्सूल (कार्यक्रमों का रनडाउन) का निर्माण किया जाता है. यह कैप्सूल गोमती नगर स्टेशन से क्रमशः प्रातः 7 से 11 बजे और दिन में 3 से शाम 7 बजे तक प्रसारित होता है तथा कानपूर रोड स्टेशन से क्रमशः सुबह 11 से दिन में 3 बजे और शाम 7 से 11 बजे तक प्रसारित होता है.

महिलाओं के मुद्दों पर चर्चा करने वाले कार्यक्रमों का विवरण

तालिका 1.1 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में महिलाओं के विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डालने वाले कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है.

तालिका 1.1

कार्यक्रम	**प्रारूप**	**प्रसारण**
मेरी आवाज़ मेरी पहचान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
सेहत की बात डॉक्टर के साथ	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
बेटी बचाओ बेटी पढाओ	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
मसला हम सबका	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
संजीवनी	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
योग और हम	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
कम्युनिटी बातचीत	परिचर्चा	सप्ताह में एक बार
अनमोल रतन	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार

ज़माना बदल गया है	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
कानून की बात	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
स्वस्थ तनमन कुशहाल जीवन	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार

बच्चों पर आधारित मुद्दों पर चर्चा करने वाले कार्यक्रमों का विवरण

तालिका 1.2 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में बच्चों पर आधारित विभिन्न विषयों पर चर्चा करने वाले कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है.

तालिका 1.2

कार्यक्रम	प्रारूप	प्रसारण
नन्हों की दुनिया	रिकार्डेड कार्यक्रम	प्रतिदिन
एक अनोखी उड़ान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
तेरी मुस्कान	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार

युवाओं के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने वाले कार्यक्रमों का विवरण

तालिका 1.3 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में युवाओं पर आधारित विभिन्न विषयों पर चर्चा करने वाले कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है.

तालिका 1.3

कार्यक्रम	प्रारूप	प्रसारण
ध्वनि शाला	एनसीआरटीरिकार्डेड कार्यक्रम	प्रतिदिन
मसला हम सबका	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
वीरगाथा	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
योग और हम	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
कम्युनिटी बातचीत	परिचर्चा	सप्ताह में एक बार
करियर मित्र	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
युवा मंच	परिचर्चा	सप्ताह में एक बार
कानून की बात	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
चलती राहें सुरक्षित सफ़र	रिकार्डेड कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार

गीत–संगीत पर आधारित कार्यक्रमों का विवरण

तालिका 1.4 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में पारंपरिक व आधुनिक गीत–संगीत पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण दिया गया है.

तालिका 1.4		
कार्यक्रम	**प्रारूप**	**प्रसारण**
अर्चना	भक्ति संगीत	प्रतिदिन
गीतों की झंकार	सजीव कार्यक्रम	सप्ताह में एक बार
माटी के गीत	लोक गीत	सप्ताह में एक बार
कम्युनिटी संगीत	गीतों पर आधारित	सप्ताह में एक बार

सामुदायिक हित व मनोरंजक विविध कार्यक्रमों का विवरण

ग्राफ 1.1 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डालने वाले विविध कार्यक्रमों के प्रसारण की आवृति का विवरण दिया गया है.

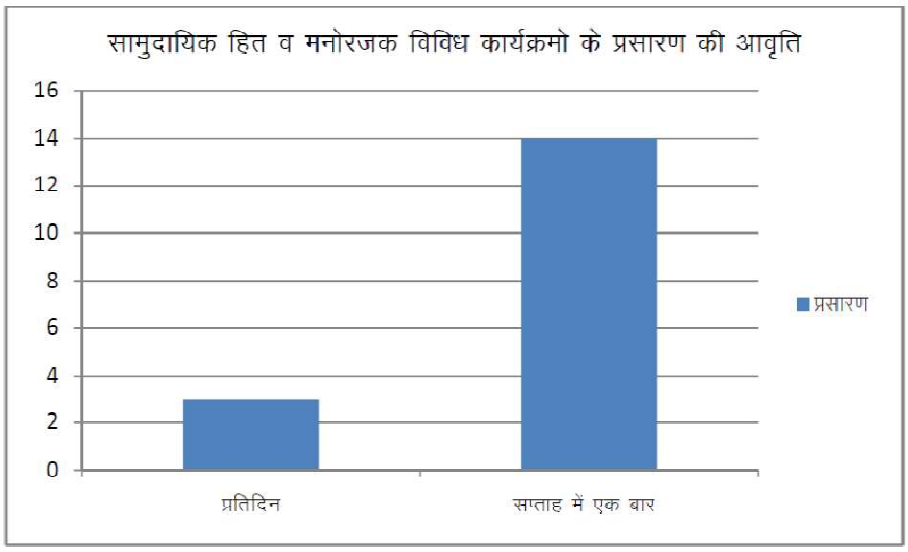

ग्राफ 1.1

सीएमएस सामुदायिक रेडियो पर प्रसारित सामुदायिक हित व मनोरंजक विविध कार्यक्रमों में कुल 17 कार्यक्रम निर्मित होते हैं. जिनमें से 3 कार्यक्रमों का प्रसारण प्रतिदिन होता है तथा इसके अतिरिक्त 14 कार्यक्रम सप्ताह में एक बार ही प्रसारित होते हैं.

ग्राफ 1.2 में सीएमएस सीआरएस 90.4 में विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डालने वाले विविध कार्यक्रमों के प्रारूप की आवृति का विवरण दिया गया है.

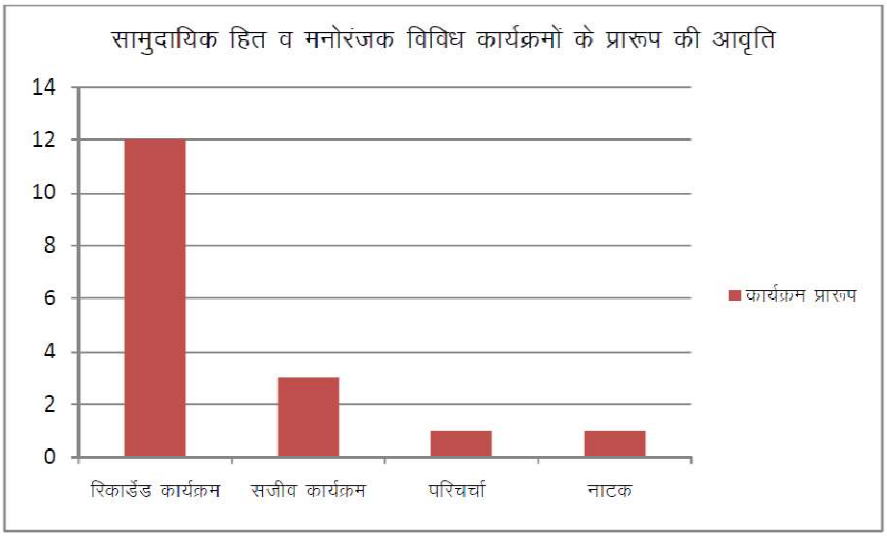

ग्राफ 1.2

सीएमएस सामुदायिक रेडियो पर प्रसारित सामुदायिक हित व मनोरंजक विविध कार्यक्रमों में कुल 17 कार्यक्रम प्रसारित होते हैं. जिनमें से 12 कार्यक्रम रिकार्डेड होते हैं. 3 कार्यक्रमों को श्रोताओं के लिए सजीव प्रसारित किया जाता है. 1, 1 कार्यक्रम को क्रमशः परिचर्चा व नाटक के रूप में निर्मित किया जाता है.

सीएमएस सामुदायिक रेडियो समुदाय के लगभग सभी वर्गों के लिए कार्यक्रमों का प्रसारण करता है. कुछ ऐसे कार्यक्रम जो विभिन्न विषयों पर प्रसारित होते हैं, उनके नाम इस प्रकार से हैं. "बात पते की" यह सजीव कार्यक्रम प्रतिदिन कोई ऐसी बात और ऐसी घटना के बारे में श्रोताओं को जानकारी देता है जो श्रोताओं के लिए महत्वपूर्ण है. "कम्युनिटी गतिविधियां" शहर की सांस्कृतिक व रोचक हलचलों को बताता है यह कार्यक्रम. "हमारी रसोई" में मौसम के हिसाब से किस प्रकार की औषधियां मौजूद है वो इस कार्यक्रम के द्वारा प्रस्तुत किया जाता है. लखनऊ नफ़ासत और नज़ाकत का शहर है जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, लखनऊ शहर की विशेषताओं और इसकी कहानियों को बयां करता है कार्यक्रम "वाह रे लखनऊ". "ज्ञान तरंग– ज्ञान का हर रंग" इसमें प्रेरणादायक व्यक्तित्व को सम्मिलित किया जाता है. "बेजुबान मेहरबान" यह कार्यक्रम बेसहारा जानवरों पर आधारित है. लोगों को बेसहारा जानवरों के प्रति संवेदनशील प्रकृति रखने के लिए प्रेरित किया जाता है. धार्मिक मान्यताओं और त्योहारों की जानकारियां उपलब्ध कराता है कार्यक्रम "आस्था स्थली". पर्यावरण संरक्षण की ओर ध्यान केंद्रित करने वाला सजीव कार्यक्रम जो कि सप्ताह में एक बार प्रसारित होता है वह है "संवारे धरा निखारे पर्यावरण". "किसान मंच" एक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम जो सजीव है जिसमें हमारे देश की रीड की हड्डी यानि किसानों पर आधारित है इस कार्यक्रम के तहत कृषि विशेषज्ञ से बातचीत की जाती है और किसानों को मौसम अनुसार किस प्रकार से उपज को अधिक और लाभदायक बनाएं, इस बारे में बताया जाता है. "ढलती शाम को सलाम" हमारे आसपास ऐसे बहुत सारे लोग मौजूद हैं जो अपनी बढ़ती उम्र में भी बहुत सारे प्रेरणादाई कार्य कर रहे हैं उनके इन कार्यों को नाटक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है. "हमारे व्रत त्यौहार" भारतीय संस्कृति

में व्रत और त्योहारों की अपनी एक महत्वपूर्ण जगह है और हर व्रत और त्यौहार के पीछे कोई नहीं कोई कहानी आवश्यक छिपी है जो इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रोताओं को पता चलती है. "अनमोल खज़ाना" यह कार्यक्रम हमारे किचन में मौजूद मसालों के फायदे और उनकी औषधीय गुणों के बारे में बताता है.

विभिन्न तलिकायों में अंकित प्रमुख कार्यक्रमों की सामग्री का विवरण

सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 समाज से जुड़े लगभग सभी मुद्दों पर कार्यक्रमों को प्रसारित करता है. समाज से जुड़ी कुरीतियों व समस्याओं को अपने कार्यक्रमों के माध्यम से समाज से दूर करने में काफी समय से कार्य कर रहा है. इसके साथ ही सीएमएस सीआरएस 90.4 अपने श्रोताओं से उनके घरों व मोहल्लों में जाकर मुलाक़ात करता है और उनके अन्दर छिपी प्रतिभा को बहार लाकर निखारने का कार्य करता है.

किसी भी समाज के विकास के लिए यह आवश्यक है कि वहां की महिला शक्ति को बढावा मिलता रहे तथा उनका समग्र विकास होता रहे. सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 महिलाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कार्यक्रमों का प्रसारण करता है. **तालिका 1.1** के अनुसार "मेरी आवाज़ मेरी पहचान" कार्यक्रम महिलाओं पर आधारित है जिसमे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलायों से बातचीत होती है. इसके साथ ही वह अन्य महिला श्रोताओं को अपने कार्यों से प्रेरित करती हैं. "सेहत की बात डॉक्टर के साथ" यह कार्यक्रम समुदाय को स्वस्थ बनाय रखने का एक प्रयास है. इस कार्यक्रम में हर सप्ताह स्टूडियो में किसी विशेष क्षेत्र के डॉक्टर को आमंत्रित किया जाता है तथा सलाह व परामर्श समुदाय को दी जाती है. यह एक सजीव कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम में महिला स्वाथ्य का विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है. बेटियों को शिक्षित व सशक्त बनाने के लिए भारत सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढाओ के नाम से एक योजना को प्रारम्भ किया था. इसी योजना को केंद्र में रखकर "बेटी बचाओ बेटी पढाओ" कार्यक्रम का प्रसारण होता है. "मसला हम सबका" यह कार्यक्रम विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करता है. यह ओ बी(आउटडोर ब्रॉडकास्ट) पर आधारित कार्यक्रम है जो महिलाओं समेत विभिन्न श्रोताओं से जुड़े लोगों से बात करता है.

"संजीवनी" कार्यक्रम के तहत हमारे पर्यावरण में मौजूद विभिन्न जड़ी बूटियों व प्राकृतिक उपचारों पर चर्चा की जाती है. यह कार्यक्रम महिला स्वास्थ्य व समुदाय के विभिन्न लोगों के लिए लाभदायक है. "योग और हम" यह कार्यक्रम न सिर्फ महिलाओं के लिए बल्कि समुदाय में मौजूद अन्य लोगों के लिए बनाया जाता है जो योग की महत्ता को समझाता है. सजीव कार्यक्रम के तहत विशेषज्ञ को स्टूडियो में बुलाकर यौगिक क्रियाओं और उनके लाभ की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है. बातचीत किसी भी समस्या के समाधान का एक महत्वपूर्ण अंग है, "कम्युनिटी बातचीत" के तहत समुदाय में उपस्थित विभिन्न सामाजिक व अन्य मुद्दों पर बातचीत के माध्यम से समाधान निकाला जाता है. नारी के उत्थान व विकास की कहानी कहता कार्यक्रम "अनमोल रतन" इसके तहत समुदाय और समाज में मौजूद विभिन्न महिलाओं के द्वारा किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया जाता है जिससे अन्य महिलाओं को लाभ मिले. "ज़माना बदल गया" आज वर्तमान में सभी रूढ़िवादी विचारधाराओं को पीछे छोड़ते हुए हमारी बेटियां ने नयी ऊंचाईयों को छुआ है. यह कार्यक्रम हमारी बेटियों की सफलता की कहानी प्रस्तुत करता है. कानून की जानकारी होना सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है और महिलाओं के लिए तो बेहद ज़रूरी. "क़ानून की बात" जो एक प्रकार का सजीव कार्यक्रम है जिसमें कानूनी अधिकारों और कर्तव्य की

जानकारी दी जाती है. कहा गया है न, सेहत हजार नियामत इसी भावना से परिपूर्ण है कार्यक्रम "स्वस्थ तनमन खुशहाल जीवन". स्वच्छता और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर यह कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाता है.

सीएमएस सीआरएस 90.4 बच्चों के लिए भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का प्रसारण करता है. **तालिका 1.2** के अनुसार "नन्हों की दुनिया" जिसके तहत नन्हे–मुन्हें बच्चों से जानकारी ली जाती है इसके साथ ही कार्यक्रम "एक अनोखी उड़ान" प्रसारित किया जाता है, जो स्पेशल बच्चों पर आधारित है. स्पेशल बच्चे अर्थात वह बच्चे जो सामान्य बच्चों की तरह नहीं हैं और उन्होंने कुछ असामान्य कर दिया है. उनको सलाम करता है यह कार्यक्रम. "तेरी मुस्कान" यह कार्यक्रम विशेषतः बच्चों के चेहरे पर एक मुस्कान लाने के लिए प्रसारित किया जाता है जिनमें बच्चों को ऐसी कहानियां व कविताएं सुनाई जाती है जिनसे बच्चों का मन खिल उठता है.

भारत एक युवा देश है और यहां पर युवा शक्ति बहुत ताकतवर है. इस बात को सीएमएस सीआरएस 90.4 ने भी महत्व दिया है. **तालिका 1.3** के अनुसार "ध्वनि शाला" यह कार्यक्रम एनसीईआरटी के रिकार्डेड कार्यक्रमों पर आधारित है. कक्षा 10 के विभिन्न विषयों के अध्याय यह कार्यक्रम प्रतिदिन प्रसारित करता है. "मसला हम सबका" युवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करके उनका समाधान निकालने का प्रयास है इस कार्यक्रम में. "वीरगाथा" इस देश में कई युवा शहीद हो गए और यह कार्यक्रम युवा सहित देश की आन, बान और शान के लिए उन्हीं को सम्मानित करता है. "योग और हम" योग की महत्ता और विशेषता को सजीव कार्यक्रम के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता है और आज जहां युवा शक्ति जिम की ओर भाग रहा है. वहीं योग के जरिए युवा स्वस्थ रहें यह कार्यक्रम में बताया जाता है. "कम्युनिटी बातचीत" इस कार्यक्रम के तहत युवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर बातचीत के माध्यम से समाधान प्रस्तुत किया जाता है. "करियर मित्र" यह कार्यक्रम युवाओं को करियर के विभिन्न आयामों और संभावनाओं की जानकारी प्रदान करता है. परिचर्चा के माध्यम से "युवा मंच" कार्यक्रम किसी भी गंभीर विषय को साधारण कर उसके निर्णय तक पहुंचाने में सहायक होता है. युवा मंच कार्यक्रम युवाओं को एक मंच प्रदान करता है कि वह अपनी बात रख सकें.

रेडियो एक सूचना शिक्षा व मनोरंजन का माध्यम है और मुख्यतः रेडियो में गीत–संगीत के माध्यम से शिक्षा व सूचना प्रदान कर दी जाती है. सीएमएस सीआरएस 90.4 में विभिन्न प्रकार के गीत–संगीत पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं. **तालिका 1.4** के अनुसार भक्ति गीत को प्रतिदिन प्रस्तुत करता है कार्यक्रम "अर्चना". जिसमें ईश्वर को याद करके कार्यक्रमों का आरम्भ हर रोज़ होता है. "गीतों की झंकार" यह एक सजीव फ़रमाइशी कार्यक्रम है. इस कार्यक्रम के तहत श्रोताओं से उनके मनपसंद गीत बजाए जाते हैं. यह गीत कई बार समुदाय के लोगों द्वारा बनाए गए होते हैं या फिर उन्हें सीएमएस के निर्माताओं द्वारा निर्मित किया गया होता है. इसके साथ ही लोकगीतों पर आधारित एक कार्यक्रम प्रस्तुत होता है उसका नाम है "माटी के गीत" जैसा कि नाम से ही स्पष्ट हो रहा है कि यह वो गीत हैं जो हमारी मिट्टी से जुड़े हुए हैं. गीत, जो बरसों से हमारे घरों में गाए जाते आ रहे हैं चाहे वह विवाह का अवसर हो या फिर मौसम का बदलाव ही क्यों न हो. "कम्युनिटी संगीत" यह कार्यक्रम गीत–संगीत का एक गुलदस्ता है.

इस गुलदस्ते में समुदाय के लोगों द्वारा गाए हुए गीत हैं. इन सभी कार्यक्रमों के अलावा समय–समय पर विभिन्न अवसरों और त्योहारों पर गीत–संगीत प्रस्तुत किए जाते हैं.

निष्कर्ष

सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 जो अपने 4 घंटे के कैप्सूल को प्रतिदिन 16 घंटे प्रसारित करता है. यह रेडियो स्टेशन समाज के प्रत्येक समूह व समुदाय के लिए कार्यक्रम का प्रसारण कर रहा है. जहां एक ओर इनके कार्यक्रम प्रेरित करने वाले हैं वहीं दूसरी ओर मनोरंजन प्रदान करने वाले भी हैं.

सीएमएस सामुदायिक रेडियो अपने कार्यक्रम प्रसारण में देश दुनिया की आधी आबादी कहे जाने वाली महिलाओं के लिए विशेष प्रसारण करता है. महिलाओं के मुद्दों को उठाते हुए ऐसे बहुत से कार्यक्रम है जो उन्हें सुरक्षित तो बना ही रहे हैं साथ ही साथ शिक्षित व प्रेरित भी कर रहे हैं. ऐसा माना जाता है कि एक घर में अगर महिला शिक्षित व स्वस्थ है, तो उसका पूरा परिवार शिक्षित व स्वस्थ रहेगा. इसी को ध्यान में रखते हुए सीएमएस सामुदायिक रेडियो अपने कार्यक्रमों का निर्माण व प्रसारण कर रहा है. जहां महिलाएं अत्यंत आवश्यक है वही देश के युवा भी बहुत महत्वपूर्ण हैं. युवा, जिनके कंधों पर देश की ज़िम्मेदारी है उनका ध्यान रखते हुए यह सामुदायिक रेडियो अपने कार्यक्रमों को निर्मित कर रहा है– युवा शक्ति हो, रोजगार हो, स्वास्थ्य हो या फिर उनके करियर की चिंता. युवाओं के साथ साथ यह सामुदायिक रेडियो बच्चों का भी ख्याल बखूबी रख रहा है. बच्चों की रूचि के अनुसार कार्यक्रमों का प्रसारण हो रहा है. गीत संगीत जो किसी भी मनोरंजक जन संचार माध्यम के लिए आवश्यक है, वो भी समय–समय पर या फिर कहें हर रोज़ सीएमएस सामुदायिक रेडियो के विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा प्रसारित किया जा रहा है. इसके साथ ही साथ बुजुर्गों, किसानों व समाज के विभिन्न समुदायों के लिए कार्यक्रमों का लगातार प्रसारण करता आ रहा है.

सीएमएस सामुदायिक रेडियो 90.4 में श्रोताओं के लिए और श्रोताओं के द्वारा ही कार्यक्रम बनाए गए हैं. महिला श्रोता, युवा, बड़े–बूढ़े या फिर बच्चे सभी के लिए प्रत्येक दिन किसी न किसी प्रकार से कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है. यह रेडियो स्टेशन अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन बखूबी कर रहा है. सीएमएस सामुदायिक रेडियो पर्यावरण, स्वास्थ्य, करिअर और इसके साथ ही साथ सरकार की विभिन्न योजनाओं को अपने कार्यक्रमों के माध्यम से श्रोताओं तक लगातार पहुंचा रहा है.

सन्दर्भ सूची

- Jallov, Birgitte. (2012). Empowerment radio: voices building a community. Denmark: Empowerhouse.
- Pradhan, Pratibha. (2011). Community Radio As an Alternative Medium: Primal and Possibilities in India, Aligarh Muslim University Periodical, Aligarh. Media Watch Journal, January-June, 2 (1).
- Pavarala, Vinod and Malik, Kanchan K. (2007). Other Voices: The Struggle for Community Radio in India. New Delhi: SAGE Publications.
- नंदा, वर्तिका. (सं.) (2017). भारत में रेडियो पत्रकारिता. दिल्लीरू कनिष्का प्रकाशन.
- कुमार, मनोज. (2016). कम्युनिटी रेडियो. दिल्ली रू आलेख प्रकाशन.
- सिंह, डॉ. देवव्रत. (2009). भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया. नई दिल्लीरू प्रभात प्रकाशन.